आरती श्री गणेश जी की

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।

एक दंत दयावंत , चार भुजाधारी ।

माथे पे सिंदूर सोहे, मूसे की सवारी ।

जय गणेश, जय गणेश,जय गणेश देवा ।

अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया।

बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ।

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।

हार चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा ।

लड्डुअन को भोग लगे, संत करे सेवा ।

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।

दीनन की लाज राखो, शंभु सुतवारी ।

कामना को पूर्ण करो, जग बलिहारी ।

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।